

# किशोर की निर्मम हत्या के विरोध में रैगर समाज के लोगों में आक्रोश

मुआवजा दिलवाने सहित अन्य मागों को लेकर धरने पर बैठे लोग

निवाड़ी, (निर्सं)। सोमवार को नला रोड पर स्थित कच्ची बस्ती में एक किशोर की हुई निर्मम हत्या के बाद मंगलवार की सुबह आक्रोशित रैगर समाज के लोगों ने मृतक के परिजनों के साथ बस स्टैंड पर धरना दिया।

जानकारी के अनुसार सोमवार को किशोर की हत्या के बाद परिजनों ने मुआवजा दिलवाने व संविदा पर नौकरी दिलवाने की मांग करते हुए मृतक के शव को लेने से मना कर दिया था और अस्पताल में धरने पर बैठ गए थे। मंगलवार की सुबह नौ बजे बस स्टैंड पर रैगर समाज के आक्रोशित लोग परिजनों के साथ एकत्रित हुए और बीच सड़क पर धरना देकर रास्ता जाम कर दिया। धरनार्थी पीड़ित परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी, आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने, घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने की मांग कर रहे थे। रैगर



विधायक रामसहाय वर्मा, पालिकाध्यक्ष इसरानी आदि ने सहायता प्रदान की।

समाज द्वारा धरना देने की सूचना मिलने पर एसडीएम सुरेशकुमार हरसोलिया, डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा, थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा व सदर थानाधिकारी हीरालाल वर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस व प्रशासनिक

अधिकारियों ने रैगर समाज के प्रतिनिधि मंडल व परिजनों से लगातार बातचीत कर समाधान ढूँढने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी

व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक मौके पर पहुंचे और धरनार्थियों से समझाइश की। प्रशासन ने धरनार्थियों को आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। मौके पर ही पीड़ित परिवार को सम्बल प्रदान करने के लिए

विधायक वर्मा के आश्वासन के बाद रैगर समाज के लोगों ने धरना समाप्त किया।

विधायक रामसहाय वर्मा ने 51 हजार, पालिकाध्यक्ष इसरानी ने 51 हजार व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक ने 51 हजार तथा रैगर समाज ने 1 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

इस दौरान विधायक रामसहाय वर्मा ने प्रशासन से 10 दिन में आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर स्वयं धरने पर बैठने की चेतावनी दी। इसके बाद करीब 22 घंटे बाद धरना समाप्त हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस दौरान अखिल भारतीय महासभा के जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल के नेतृत्व में एसडीएम हरसोलिया को पांच सूत्रिय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

# 4747 गैंग का मुख्य सरगना पूरण गुर्जर गिरफ्तार

धीलवाड़ा, (निर्सं)। शहर की पुर थाना पुलिस ने 4747 गैंग के मुख्य सरगना पूरण गुर्जर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड पर लिया है। वहीं गैंग के संचालन के बारे में भी जांच जारी है।

उप पुलिस अधीक्षक श्यामसुंदर विश्वादे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव के निर्देश पर पुलिस अपराधियों पर लगातार शिकंजा कस रही है। इसी के चलते लम्बे समय से

पुलिस ने पूरण गुर्जर को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया



पांच माह से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

फरार और धीलवाड़ा में गैंग का संचालन करने वाले पूरण गुर्जर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुर्जर एचबीएस की तरह 4747 नाम से गैंग का संचालन करता है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड पर लिया है। वहीं गैंग के संचालन के बारे में भी जांच जारी है। सूत्रों का कहना है कि

4747 गुप के नाम से गैंग चलाने वाला पूरण गुर्जर कभी एचबीएस के गोपाल गुर्जर का खास दोस्त हुआ करता था, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया और दोनों ने अपनी-अपनी गैंग बनाकर अपराध की दुनिया में कदम रखा। गोपाल गुर्जर को कुछ समय पहले मांडल पुलिस ने गिरफ्तार

कर उसकी फोटो निकाली थी, जबकि पूरण गुर्जर 10 हजार का इनामी अपराधी होने के साथ ही उस पर डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसे उप पुलिस अधीक्षक विश्वादे ने 87 किलो गांजे के मामले में गिरफ्तार किया है और वह पिछले 5 माह से फरार था। पूरण गुर्जर नागा का बाड़िया का रहने वाला है।

# आग लगने से 10 बीघा जंगल जलकर राख

नारायणपुर, (निर्सं)। ग्राम पंचायत विजयपुरा में मंगलवार को बिजली गिड़ के पास अचानक आग लग गई, जिससे करीब 10 बीघा जंगल जलकर राख हो गया। आग इतनी भयावह थी कि इसमें विलायती बबूल सहित कई वनस्पतियां, वन्यजीव और वन संपदा पूरी तरह नष्ट हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। विराटनगर और बानसूर से दमकल की गाड़ियां मौके पर बुलाई गईं। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से करीब पांच घंटे की कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया।

समय रहते आग पर नियंत्रण पाने से आसपास के क्षेत्र में बड़ा नुकसान होने से टल गया। आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रशासन इस मामले की गहराई

आग इतनी भयावह थी कि इसमें विलायती बबूल सहित कई वनस्पतियां, वन्यजीव और वन संपदा नष्ट हो गई

से जांच कर रहा है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सके। आग बुझाने के दौरान सरपंच मोहन लाल वर्मा, थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा, कानूनगो अशोक योगी और पटवारी शिवानी यादव सहित बागी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

# हमारा को वापस पाकिस्तान भेजा

अनुपगढ़, (निर्सं)। गत 17 मार्च को अनुपगढ़ के गांव 30 एपीडी में स्थित विजेता पोस्ट पर पकड़ी गई पाकिस्तानी महिला हमारा को बीएसएफ ने वापस पाकिस्तान भेज दिया है। महिला भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की तारबंदी पर कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी। इस पर बीएसएफ के जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। अनुपगढ़ पुलिस उसे जॉइंट इंटेरोगेशन सेल जेआईसी ले गई। अक्सिस्ट कमांडेंट दीपेंद्र रमन ने बताया कि एजेंसियों ने महिला से पूछताछ की। इसके बाद उसे वापस भेजने का निर्णय लिया गया। 25 मार्च दोपहर 2.30 बजे बिजोर पोस्ट से हमारा को पाकिस्तानी रेंजर्स को सुपुर्द कर दिया गया। इससे पहले बीएसएफ की ओर से टीम का गठन किया गया। जौरी लाइन पर पाकिस्तानी सेना से बातचीत और कागजी कार्रवाई के बाद महिला को पुशबैक किया गया।

# थर्मल पावर प्लांट में ब्रेकर में ब्लास्ट, श्रमिक का हाथ झुलसा

सूरतगढ़, (निर्सं)। सुपर थर्मल पावर प्लांट की सब-क्रिटिकल परियोजना की छठी इकाई के ऐश हैडलिंग प्लांट के कम्प्रेसर ब्रेकर में ब्लास्ट होने से एक श्रमिक झुलसा गया। वहीं, साथ में काम कर रहे तकनीकी कर्मचारी की आंखों में भी फ्लैश आघात हुआ।

जानकारी के अनुसार यह घटना शाम की बढाई जा रही है, जब थर्मल प्लांट की 250 मेगावाट क्षमता वाली छठी इकाई के ऐश हैडलिंग प्लांट के कम्प्रेसर ब्रेकर में विस्फोट हुआ। इस

दौरान वहां काम कर रहे रायांवाली निवासी श्रमिक चेताराम पुत्र ओमप्रकाश लुणा का हाथ झुलसा गया, जबकि साथ में काम कर रहे तकनीकी कर्मचारी नंदलाल लोहरा की आंखों में फ्लैश आघात हो गया। घायल श्रमिक और तकनीकी कर्मचारी को आवासीय कॉलोनी की डिस्पेंसरी ले जाया गया, जहां दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया। विद्युत उत्पादन मजदूर यूनिटन (इंटर) के प्रदेश महामंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि सुरक्षा बैठकों में बार-

बार स्विच गियर पैनल्स में होने वाले ब्लास्ट का मुद्दा उठाने और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रखरखाव के अभाव में ब्रेकर में अक्सर विस्फोट होते रहते हैं, जिससे कर्मचारी और श्रमिक झुलस जाते हैं। कुछ वर्ष पूर्व भी पांचवीं इकाई के पैनल में ब्लास्ट होने से एक तकनीकी कर्मचारी गंभीर रूप से झुलसा था, जिसकी इलाज के दौरान जयपुर में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने स्विच

गियर में काम करने वाले तकनीकी कर्मचारियों के लिए कैंबिन और सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराने, पैनलों का नियमित रखरखाव करवाने तथा व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है। शर्मा ने इस घटना के संदर्भ में कहा कि जब काम कर रहे तकनीकी कर्मचारी की ओर से शटडाउन लिया गया था, तो फिर ब्रेकर में सप्टाई चालू होना बहुत बड़ी लापरवाही है। इस संबंध में जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

# एक गिरफ्तार

हिंडौन सिटी, (निर्सं)। क्षेत्र में सदर थाना पुलिस ने एक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने गांव खेड़ा जमालपुर के स्कूल के पास से एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी देवेन्द्र शर्मा के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान गावड़ा निवासी माधो सिंह मीना के रूप में हुई है। आरोपी के पास से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

हैड कांस्टेबल भल्लू सिंह ने नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। टीम को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति स्कूल के आसपास हथियार के साथ घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया।

# दिया कुमारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग पचपदरा बागुंडी खण्ड का निरीक्षण किया

बालोतरा/जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को बालोतरा जिले में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग-25 के पचपदरा-बागुंडी खण्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान काम की धीमी गति को लेकर उप मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए टेकदर, अधीक्षण अभियंता एवं अधीशापी अभियंता एनएच वृत्त जोधपुर को नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता एनएच को 15 दिन में उक्त सड़क मार्ग की वास्तविक रिपोर्ट को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-25 के पचपदरा-बागुंडी खण्ड

निर्माण कार्य में देरी पर नाराजगी जताई, नोटिस देने के निर्देश दिये (लम्बाई 22किमी) का निर्माण कार्य वर्ष 2022 में शुरू हुआ था जो कि दिसम्बर 2024 में पूरा किया जाना था। उक्त मामले में मार्च 2025 तक का एक्स्टेंशन मिलने के बावजूद भी लगभग 60 प्रतिशत निर्माण कार्य ही पूरा कराया है। उपमुख्यमंत्री ने मुख्य अभियंता एनएच को जल्द इस कार्य को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करवाने के निर्देश दिए।

बालोतरा, (निर्सं)। पचपदरा रिफाइनरी में चोरी करने वाली शातिर गैंग का पर्दाफाश करते हुए 7.5 किंवटल एल्युमिनियम की चद्दर व घटना में प्रयुक्त बस जब्त की है। पुलिस ने कंपनी के सुपरवाइजर ललित सहित शातिर गैंग के सदस्य रेवत, ओमप्रकाश, किशोर उर्फ केशा व रमेशनाथ को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक बालोतरा हरिशंकर ने बताया कि जिले में सम्पत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जारी-निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा व अशोक जोशी आरपीएस, वृताधिकारी पचपदरा के निकटतम सुपरविजन में अमराराम निपु. थानाधिकारी पचपदरा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा रिफाइनरी में चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए चोरी का 7.5 किंवटल एल्युमिनियम की चद्दर व घटना में प्रयुक्त बस को जब्त कर सुपरवाइजर ललित कुमार सहित गैंग के सदस्य रेवत कुमार,



पुलिस ने कंपनी सुपरवाइजर ललित सहित गैंग के सदस्य रेवत, ओमप्रकाश, किशोर उर्फ केशा व रमेशनाथ को गिरफ्तार किया।

ओमप्रकाश, किशोर उर्फ केशाराम व रमेशनाथ को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार 21 मार्च को गश्त के दौरान रिफाइनरी गेट नंबर 4 के आगे बस व कुछ व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में होने पर थाना पचपदरा की पुलिस टीम द्वारा सखी से पूछताछ की तो रिफाइनरी में काम कर रही निर्मम इन्सुलेशन कंपनी के सुपरवाइजर ललित कुमार से मिलीभगत कर चोरी करने वाली शातिर गैंग द्वारा एल्युमिनियम की चद्दरें निकलवाने की योजना बनाया जात हुआ। जिस पर सुपरवाइजर ललित कुमार सहित चोरी करने वाली गैंग के सदस्य रेवत कुमार उर्फ रेवतनाथ, ओमप्रकाश व बस चालक किशोर उर्फ केशाराम को दस्तयाब किया गया।

7.5 किंवटल एल्युमिनियम की चद्दर व घटना में प्रयुक्त बस जब्त

पूछताछ में बताया कि ओमप्रकाश की बोलचाल गैंगी पहले रिफाइनरी में लगी हुई थी जो रिफाइनरी से चोरी करते वक्त पकड़ा जाने से उसकी बोलचाल गैंगी ब्लैकलिस्ट कर रिफाइनरी से बाहर निकाल दी गई। ओमप्रकाश के पहले ले उसी के दो दिन बाद करीब 4.2 किंवटल इस प्रकार कुल 7.5 किंवटल एल्युमिनियम की चद्दरें चोरी करके बस की डिक्की में डालकर कबाड़ी रमेशनाथ जोगी निवासी शिव चौहान बालोतरा को ले जाकर बेचा गया। आरोपी ओमप्रकाश व रेवतकुमार उर्फ रेवतनाथ ने चोरी करने से पूर्व कबाड़ी रमेशनाथ से सम्पर्क कर चोरी की एल्युमिनियम की चद्दरें खरीदने हेतु तय कर लिया था। आरोपी ओमप्रकाश द्वारा पूर्व में भी रिफाइनरी से चोरी करने के संबंध में प्रकरण दर्ज है। उक्त घटना पर प्रकरण दर्ज किया जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

# वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। प्रशासन निरोधक ब्यूरो (एसबी) की टॉक टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए कार्यालय उप पंजीयक टॉक के वरिष्ठ सहायक विजेन्द्र कुमार मीना को एक हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी वरिष्ठ सहायक यह रिश्वत भारतीय मुद्रांक विक्रेता लाइसेंस नवीनीकरण करवाने की एवज में मांगी थी। एसबी की ओर से पूछताछ की जा रही है।

प्रशासन निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसबी की टॉक टीम को पीड़ित ने शिकायत दी कि उसकी भारतीय मुद्रांक विक्रेता लाइसेंस नवीनीकरण करवाने की एवज में दो हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। इय पर मांग सत्यापन के दौरान आरोपी की ओर से डेढ़ हजार रुपये की रिश्वत लेने पर सहमत हुआ। साथ ही सत्यापन के दौरान पीड़ित से पांच सौ रुपये प्राप्त किये तथा शेष राशि के एक हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते मंगलवार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

# कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, (निर्सं)। कोटा में नीट की कोचिंग कर रहे 17 साल के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। वह अपने कमरे में फंदे पर लटक मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव उतारा और हॉस्पिटल लेकर गए। हादसा जवाहर नगर थाना इलाके का है। जवाहर नगर थाना अधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि छात्र बिहार के नालंदा का रहने वाला था। जवाहर नगर इलाके में हॉस्टल में रहता था। वह आज सुबह अपने कमरे से बाहर नहीं निकला। हॉस्टल संचालक ने दोपहर करीब साढ़े बारह बजे पुलिस को सूचना दी।

# पाँक्सो का दोषी फिर से नाबालिगों से छेड़छाड़ में पकड़ा

अनुपगढ़, (निर्सं)। यहां पाँक्सो में साढ़े आठ साल की सजा काट चुके आरोपी द्वारा दो नाबालिग छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना के अनुसार दो 13 वर्षीय सहेलियां सुबह स्कूल जा रही थीं। रास्ते में ईट-भट्टे पर

सांचोर, (नि.सं.)। सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति का धरना 87वें दिन भी लगातार जारी है। सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति ने बताया कि आज 87 वें दिन सांचोर अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सांचोर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन ग्राम पंचायत परवा ग्रामीणों द्वारा पेश किया।



सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति के धरने को वक्ताओं ने संबोधित किया।

स्कूल जा रही दो 13 साल की बच्चियों को रोका, आरोपी की पिटाई की

काम करने वाले आरोपी रामकुमार (35) ने उन्हें रोक लिया। उसने दोनों लड़कियों का हाथ पकड़ लिया। आरोपी ने उन्हें पाटी के लिए कहा। खाने-पीने की चीजें देने का लालच भी दिया। रामकुमार ने अपना फोन नंबर एक पर्ची पर लिखकर जबर्दस्ती लड़कियों को दे दिया। डर के मारे दोनों लड़कियां भागकर घर पहुंचीं। एक पीड़िता ने रोते हुए अपने पिता को पूरी घटना बताई। जब इस घटना की जानकारी हुई भट्टे के अन्य मजदूरों को मिली, तो उन्होंने रामकुमार की जमकर पिटाई की। फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में पता चला कि रामकुमार पहले भी पाँक्सो केस में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद वह मजदूरी कर रहा था।

पूर्व राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई ने कहा कि सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में आज 87 वें दिन धरना जारी है। सरकार समझ ले जो सांचोर जिले को निरस्त किया है जिसको नियमानुसार बहाल कर दे। सांचोर जिला जो जालोर जिले से 145 कि.मी. दूर व अंतिम गांव आकोड़ियां, रणछार करीब 250 किमी दूर हैं। सरकार ने कौनसे आधार पर सांचोर जिले को निरस्त किया, कोई स्पष्ट नहीं है। जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने पर आमजन के लोगों के सभी जिले स्तर के कार्य जल्द होते थे। वर्तमान सरकार आमजन का त्वरित कार्य नहीं करना चाह रही है और आमजन को इधर-उधर भटकाने के आर्थिक नुकसान करना चाहती है। वर्तमान

सरकार सांचोर जिले को किस आधार पर निरस्त किया, हमने सम्पूर्ण प्रूफ के साथ कोर्ट में याचिका दायर की है जिसकी न्यायपालिका नियमानुसार निस्तारण करेगी तथा सरकार ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय बंद कर पुनः खोला है। हम एडीएम कार्यालय से धरना समाप्त नहीं करने

# सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति का धरना 87वें दिन भी लगातार जारी

योग्य था तो फिर कार्यालय किस आधार पर खोला, सांचोर जिला नहीं रखने का कारण है कि वर्तमान में सरकार में बैठे लोगों ने कोई पैरवी नहीं की थोड़ी सी सही ढंग से पैरवी करते तो सांचोर जिला निरस्त नहीं होता, हम ज्ञापन के जरिये बताया कि जब तक सांचोर जिला पुनः घोषित नहीं होता है तब तक हमारा धरना जारी रहेगा।

धरने में मगसिंह राजपूत, पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकाश मेघवाल, नाथराम, रामचंद्र बिश्नोई, सुरेश सारण, गोपाल सारण, सुरजन सारण, घेवाराम कांवा, भेराराम सारण, पुनरामराम, मोहनलाल पुरोहित, जयकिशन सारण, तेजराम, भेराराम धायल, छगनलाल पुरोहित, पीराराम सुथार, घेवाराम मेघवाल, आइंदरम मेघवाल, जगदीश, कोजाराम लोल, बाबूलाल सारण, भागीरथ, आसुराम लाल, मालाराम गोदार, रुधनाथ सारण, मोहनलाल खिलेरी, सुरजन, तुलसाराम, किशनलाल, आसुराम देवासी, लीडराम भादू, पाबुराम, पूनमचंद, रितमल, रामकिशन, भाखराराम, हिमताराम, चौधराम, दानाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

# नीमकाथाना जिला हटाए जाने के विरोध में धरना जारी

पाटन, (निर्सं)। नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर बुधवार को ग्राम पंचायत आगवाड़ी में धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस क्रमिक भूख हड़ताल में प्रमुख रूप से जयदयाल शर्मा, राजेन्द्र मीणा, रामकुमार यादव, लक्ष्मण यादव, सांवलराम टाटला, गिरधारी, गुलाब यादव, पाबूदास सिंह, छगन शर्मा, चौधमल शर्मा, ख्याली स्वामी, कजोड़ मल, हनुमान सिंह, दशरथ सिंह, तुलसाराम, पंकज वर्मा, धर्मवीर यादव, सुरेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश यादव जैसे कई नेता और ग्रामीण शामिल हुए। इन सभी ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए टायर जलाए और नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर आवाज उठाई।

लोगों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की

धरने का समर्थन करने वाले अन्य ग्रामीणों में मोहरू यादव, सुल्तान यादव, ओमप्रकाश यादव, प्रकाश चंद यादव, बाबूलाल यादव, प्रभात गुर्जर, सांवलराम सैनी, अशोक बोहरा, सुरेश वर्मा, मदन सिंह, चमन सिंह, राजेन्द्र सिंह, कैलाश तंवर और कालूराम शामिल थे। राजेन्द्र मीणा ने कहा कि नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की यह मांग सभी क्षेत्रवासियों की एकजुट आपील है। अगर सरकार इस मुद्दे को नजरअंदाज करती रही, तो इससे न केवल नीमकाथाना, बल्कि पूरे सीकर

संभाग में असंतोष और उपेक्षा का माहौल बनेगा। इससे शासन और प्रशासन की नकारात्मक छवि बनेगी, जो किसी भी सरकार के लिए हानिकारक हो सकती है। प्रभात गुर्जर ने इस विरोध को और भी तीव्र किया और कहा कि वर्तमान सरकार ने नीमकाथाना जिला को जिस तरीके से निरस्त किया है, वह पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। जनता में भारी आक्रोश है और सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जा रहा है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि नीमकाथाना को जिला क्यों निरस्त किया गया, जबकि यह सभी मापदंडों पर खरा उतरता था। यदि सरकार ने इसे राजनीतिक द्वेषता के चलते निरस्त किया, तो इसका खामियाजा सरकार को भुगतान पड़ेगा। इस धरने के माध्यम से नीमकाथाना के लोग अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने में लगे हुए हैं और उम्मीद है कि सरकार इस मुद्दे पर जल्द फैसला लेकर नीमकाथाना को पुनः जिला बनाने का निर्णय लेगी।